भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 954
दिनांक 05 दिसम्बर, 2025 को उत्तर देने के लिए

आंगनवाड़ी सेवाओं का सुदृढ़ीकरण

954. श्री नवसकनी के.:
श्री जी.सेल्वम:
श्री सी. एन. अन्नादुरई:

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु में और विशेषकर रामनाथपुरम, तिरुवन्नामलाई और कांचीपुरम जैसे जिलों में कार्यशील आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) की संख्या कितनी है और स्मार्ट शिक्षण सुविधाओं, डिजिटल उपकरणों और बेहतर अवसंरचना के साथ सक्षम आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत किए गए आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या कितनी है;
(ख) उक्त जिलों में पूरक पोषण कार्यक्रम के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले बच्चों और गर्भवती/स्तनपान कराने वाली महिलाओं का प्रतिशत कितना है;
(ग) क्या केंद्रित पोषण अंत:क्षेपों के लिए किसी क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) इन जिलों में आंगनवाड़ी सेवाओं के और सुदृढ़ीकरण के लिए क्या किया जा रहा है और साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का क्षमता निर्माण, विकास निगरानी सुविधाओं में वृद्धि और टेक-होम-राशन (टीएचआर) तथा गर्म पके हुए भोजन का बेहतर प्रदायगी करने के लिए क्या पहल की गई हैं; और
(ड.) क्या सरकार ने उपरोक्त जिलों में पोषण 2.0 के अंतर्गत पोषण और स्वास्थ्य परिणामों का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो ऐसे मूल्यांकनों की मुख्य विशेषताएं क्या हैं?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) : अक्टूबर 2025 तक पोषण ट्रैकर के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में कार्यशील आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) की कुल संख्या 54,483 है, जिसमें रामनाथपुरम के 1454

आंगनवाड़ी केंद्र, तिरुवन्नामलाई के 2143 आंगनवाड़ी केंद्र और कांचीपुरम जिलों के 941 आंगनवाड़ी केंद्र शामिल हैं। इनमें से तमिलनाडु राज्य में 11,972 आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों के रूप में उन्नयन के लिए अनुमोदित किया गया है जिनमें रामनाथपुरम के 615 आंगनवाड़ी केंद्र, तिरुवन्नामलाई के 515 आंगनवाड़ी केंद्र और कांचीपुरम जिले के 251 आंगनवाड़ी केंद्र शामिल हैं।

(ख): पूरक पोषण कार्यक्रम के संबंध में पोषण ट्रैकर से सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के जिले-वार आंकड़े https://www.poshantracker.in/statistics लिंकपर उपलब्ध हैं।

(ग) से (ङ) : 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत, आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान और किशोरियों के लिए योजना (आकांक्षी जिलों और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14-18 वर्ष) जैसे विभिन्न घटकों को व्यापक मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के अंतर्गत मिला दिया गया है। मिशन पोषण 2.0 योजना के तहत छह सेवाओं अर्थात पूरक पोषण (एसएनपी), प्री-स्कूल अनौपचारिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाओं का पैकेज प्रदान किया जाता है। छह में से तीन सेवाएं अर्थात टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाएं स्वास्थ्य से संबंधित हैं तथा एनएचएम और सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी अवसंरचना के माध्यम से प्रदान की जाती हैं।

यह एक केंद्र प्रायोजित मिशन है, जिसमें विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की होती है। यह मिशन एक सार्वभौमिक स्व-चयन की व्यापक योजना है जिसमें किसी भी लाभार्थी के लिए पंजीकरण करने और सेवाएं प्राप्त करने के लिए कोई बाधा नहीं है। यह मिशन तमिलनाडु राज्य सहित पूरे देश में कार्यान्वित किया जा रहा है।

मिशन के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- देश में मानव पूंजी के विकास में योगदान देना;
- कुपोषण की चुनौती को दूर करना;
- स्थायी स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पोषण जागरूकता और खाने की अच्छी आदतों को बढ़ावा देना और
- प्रमुख कार्यनीतियों के माध्यम से पोषण संबंधी कमियों को दूर करना

इस मिशन के तहत, शुरू की गई प्रमुख गतिविधियों में से एक सामुदायिक जुटाव और जागरूकता प्रसार है, जो पोषण संबंधी पहलुओं पर लोगों को शिक्षित करने के लिए जन-

आंदोलन बनती जा रही है। महत्वपूर्ण विषयों पर क्षेत्रीय भाषाओं में वीडियो, पैम्फलेट, विज्ञापन पर्चे आदि के रूप में आईईसी सामग्री भी तैयार की गई है। विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर समुदाय आधारित कार्यक्रमों, पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के आयोजन के माध्यम से सामाजिक और व्यवहार संबंधी परिवर्तन लाए गए हैं। तमिलनाडु राज्य के सभी जिलों सहित देश भर में 2018 से कुल 8.82 करोड़ सीबीई की सूचना मिली है। इसके अलावा, 2018 से 15 जन आंदोलनों के माध्यम से 150 करोड़ से अधिक जन आंदोलन गतिविधियां आयोजित की गई हैं, जिनमें से प्रत्येक ने न केवल लक्षित लाभार्थियों बल्कि बड़े पैमाने पर समुदायों को संवेदनशील बनाने में मदद की है। तमिलनाडु राज्य के सभी जिलों सहित देश भर में पिछले दो जन-आंदोलनों अर्थात पोषण माह (17 सितंबर - 16 अक्टूबर, 2025) और पोषण पखवाड़ा (8-22 अप्रैल, 2025) में सामूहिक रूप से 20 करोड़ से अधिक संवेदीकरण गतिविधियों की सूचना दी गई है।

पोषण पर ध्यान देने के साथ-साथ आंगनवाड़ी केंद्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से पोषण भी पढ़ाई भी (पीबीपीबी) कार्यक्रम 10 मई, 2023 को शुरू किया गया था। इस राष्ट्रीय पहल का उद्देश्य सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को 5 दिन - राउंड 1 (2023-25) में 3 दिन और राउंड 2 (2025-26) में 2 दिन का व्यक्तिगत प्रशिक्षण प्रदान करना है। दो स्तरीय प्रशिक्षण पीबीपीबी कार्यान्वयन मॉडल का पालन किया जा रहा है। स्तर 1 में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (एसएलएमटी) का दो दिवसीय प्रशिक्षण शामिल है। स्तर 2 में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों) का 3 दिवसीय प्रशिक्षण शामिल है। इसमें पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन उपकरण शामिल हैं, जो खेल-आधारित, गतिविधि-आधारित शिक्षा पर बल देते हैं।

पीबीपीबी के तहत क्षमता निर्माण से आंगनवाड़ी केंद्र स्तर पर मातृभाषा में आधारशिला (तीन से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम) और नवचेतना (जन्म से तीन वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रीय ढांचा) के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलती है। दिनांक 30.11.2025 तक, देश भर में पोषण भी पढ़ाई भी के तहत तमिलनाडु राज्य के 1828 एसएलएमटी सहित 41,645 एसएलएमटी को प्रशिक्षित किया गया है और तमिलनाडु राज्य की 15,536 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों सहित देश भर में 8,95,814 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया है।

पीएम-जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान) के अंतर्गत, तमिलनाडु राज्य के कांचीपुरम में 3 आंगनवाड़ी केंद्रों और तिरुवन्नामलाई जिले में 13 आंगनवाड़ी केंद्रों सहित पीवीटीजी (विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह) क्षेत्रों में निर्माण के लिए कुल 2,500 आंगनवाड़ी केंद्रों को स्वीकृति दी गई है ।

जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान लगभग 63,843 गांवों में तालमेल, आउटरीच और सेचुरेशन पर केंद्रित है। डीएजीजेयूए के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य के तिरुवन्नामलाई जिले में 3 आंगनवाड़ी केंद्रों सहित 875 आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है।

आंगनवाड़ी केंद्र चार प्रकार के विकास निगरानी अर्थात इन्फैंटोमीटर, स्टेडियोमीटर, शिशु का वजन मापने की मशीन और माँ और बच्चे का वजन मापने की मशीन जैसे उपकरणों से सुसज्जित हैं। तमिलनाडु के रामनाथपुरम, तिरुवन्नामलाई और कांचीपुरम जिलों में इन विकास निगरानी उपकरणों की उपलब्धता निम्नानुसार है:

जिला	माँ और बच्चे का वजन मापने की मशीन	शिशु का वज़न मापने की मशीन	इन्फैंटोमीटर	स्टेडियोमीटर
कांचीपुरम	938	723	933	936
रामनाथपुरम	1322	1368	1359	1309
तिरुवन्नामलाई	2127	2127	2127	2127

निर्धारित संकेतकों पर आंगनवाड़ी केंद्रों में बुनियादी सुविधा तथा सेवा प्रदायगी और लाभार्थियों की निगरानी और ट्रैकिंग के लिए एक आईसीटी उपकरण पोषण ट्रैकर कार्यान्वित किया गया है।

सेवा प्रदायगी की अंतिम व्यक्ति तक ट्रैकिंग के लिए, मंत्रालय ने टेक-होम राशन के वितरण के लिए चेहरे की पहचान प्रणाली विकसित की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ केवल पोषण ट्रैकर में पंजीकृत इच्छित लाभार्थी को दिया जाता है। इसमें लाभार्थियों की फोटो खीचना और पंजीकरण के दौरान आधार प्रणाली के आधार पर ई-केवाईसी और उसके बाद फोटो के मिलान के लिए टीएचआर प्रदायगी के दौरान फिर से फोटो खींचना शामिल है।

वर्ष 1992-93 से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के विभिन्न चक्रों में पूरे भारत में बच्चों में कुपोषण संकेतकों में सुधार हुआ है। एनएफएचएस-1 से एनएफएचएस-5 तक बच्चों में इन संकेतकों का विवरण नीचे दिया गया है:

एनएफएचएस सर्वेक्षण	**ठिगनापन%**	**अल्प वजन%**	**दुबलापन %**
एनएफएचएस-1 (1992-93)*	52	53.4	17.5
एनएफएचएस-2 (1998-99)**	45.5	47	15.5
एनएफएचएस-3 (2005-6)***	48.0	42.5	19.8
एनएफएचएस-4 (2015-16)***	38.4	35.8	21.0
एनएफएचएस-5 (2019-21)***	35.5	32.1	19.3
पोषण ट्रैकर (अक्टूबर 2025)***	33.54	5.03	14.41

* 4 वर्ष से कम
** 3 वर्ष से कम
***5 वर्ष से कम

एनएचएफएस आंकड़ों से संबंधित उपर्युक्त तालिका संगत समय पर 0-3 वर्ष, 0-4 वर्ष और 0-5 वर्ष की आयु के सभी बच्चों में कुपोषण संकेतकों की स्पष्ट तस्वीर दर्शाती है। पोषण ट्रैकर के आंकड़े केवल उन बच्चों के पोषण संबंधी संकेतक देते हैं जो आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं।

*****